भारत सरकार

श्रम और रोजगार मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 1253

सोमवार, 28 जुलाई, 2025/6 श्रावण, 1947 (शक)

पीएमआरपीवाई और एनसीएस

1253. श्रीमती भारती पारधी:

श्री ओमप्रकाश भूपालसिंह उर्फ पवन राजेनिंबालकर:

श्री बजरंग मनोहर सोनवणे:

श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणे:

क्या **श्रम और रोजगार मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) प्रधानमंत्री रोजगार प्रोत्साहन योजना (पीएमआरपीबाई) के आरंभ से लेकर हुई प्रगति और प्रभाव का ब्यौरा और इसकी अद्यतन स्थिति क्या है और विशेष रूप से सृजित नई नौकरियों की संख्या कितनी है और उक्त योजना से विशेषकर से महाराष्ट्र सहित राज्यवार/संघ राज्यक्षेत्र-वार सबसे अधिक लाभान्वित होने वाले क्षेत्र क्या हैं;

(ख) पीएमआरपीयू के अंतर्गत सबसे अधिक लाभान्वित होने वाले क्षेत्र का ब्यौरा क्या है;

(ग) युवाओं, महिलाओं और शिक्षित लोगों में बेरोजगारी की समस्या को दूर करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या नए कौशल विकास पहल एआई, नवीकरणीय ऊर्जा और डेटा विज्ञान जैसे उभरते उद्योगों के लिए बनाए गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल नौकरी चाहने वालों और नियोक्ताओं के बीच की खाई को पाटने में किस हद तक प्रभावी रहा है?

उत्तर

श्रम और रोजगार राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा कारान्दलाजे)

(क) एवं (ख): नियोक्ताओं को नए रोजगार सृजन के लिए प्रोत्साहित करने के लिए प्रधानमंत्री रोजगार प्रोत्साहन योजना (पीएमआरपीवाई) अप्रैल, 2016 से शुरू की गई थी। इस योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने की अंतिम तिथि 31.03.2019 थी। 31 मार्च, 2019 तक पंजीकृत लाभार्थियों को योजना के अंतर्गत पंजीकरण की तिथि से 3 वर्षों तक अर्थात 31 मार्च, 2022 तक लाभ मिलता रहा है। 1.52 लाख प्रतिष्ठानों के माध्यम से 1.21 करोड़ कर्मचारियों को लाभ प्रदान किया गया है।

महाराष्ट्र राज्य सहित देश में उद्योग/क्षेत्र-वार ब्यौरे सहित लाभार्थियों की राज्य-वार संख्या अनुबंध-। और ।। में दी गई है।

(ग) और (घ): युवाओं और महिलाओं की नियोजनीयता में सुधार करते हुए रोजगार का सृजन करना सरकार की प्राथमिकता रही है।

तदनुसार, सरकार देश भर में विभिन्न रोजगार सृजन योजनाएं/कार्यक्रम कार्यान्वित कर रही है। इनमें अन्य बातों के साथ-साथ प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई), स्टैंड-अप इंडिया स्कीम, स्टार्टअप इंडिया, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), विज्ञान और इंजीनियरिंग में महिलाएं-किरण (डब्ल्यूआईएसई-किरण), एसईआरबी-पावर (अन्वेषणात्मक अनुसंधान में महिलाओं के लिए अवसरों को बढ़ावा देना), मिशन शक्ति, नमो ड्रोन दीदी और लखपति दीदी, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीएस), दीनदयाल अंत्योदय योजना- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम), दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयू-जीकेवाई), ग्रामीण स्वरोजगार और प्रशिक्षण संस्थान (आरएसईटीआई), दीन दयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डीएवाई-एनयूएलएम), पीएम रेहड़ी पटरी आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि), उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन, आदि शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सभी क्षेत्रों में रोजगार सृजन को समर्थन देने, नियोजनीयता और सामाजिक सुरक्षा बढ़ाने के लिए रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना को मंजूरी दे दी है।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने नैसकॉम के साथ संयुक्त रूप से "फ्यूचर स्किल्स प्राइम" नामक एक कार्यक्रम शुरू किया है जिसका उद्देश्य आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस सहित 10 नई/उभरती प्रौद्योगिकियों में नियोजनीयता के लिए आईटी कार्मिकों का रि-स्किलिंग/अप-स्किलिंग करना है।

तदनुसार, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) 4.0 के तहत, सरकार ने कोडिंग, एआई, रोबोटिक्स, मेक्ट्रोनिक्स, आईओटी, 3 डी प्रिंटिंग, ड्रोन, क्लाउड कंप्यूटिंग जैसे नए युग और फ्यूचर स्किल पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के तहत प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) भी ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मेक्ट्रोनिक्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, साइबर सुरक्षा, सेमीकंडक्टर आदि जैसे 29 नए युग/ फ्यूचर स्किल पाठ्यक्रमों में व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) महिलाओं सहित युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के डिजाइन, स्थापना, संचालन एवं रखरखाव आदि के लिए कुशल कार्यबल तैयार करने हेतु निम्नलिखित क्षमता निर्माण एवं कौशल विकास कार्यक्रमों का क्रियान्वयन कर रहा है:

I. कौशल विकास कार्यक्रम जैसे सूर्यमित्र (सौर पीवी तकनीशियन), वरुणमित्र (सौर जल पंपिंग तकनीशियन), वायुमित्र (पवन ऊर्जा संयंत्र तकनीशियन) और जल-ऊर्जा मित्र (लघु पनबिजली संयंत्र तकनीशियन);

II. सरकार ने देश भर में सौर रूफ टॉप प्रणालियों के लिए संस्थापना/डिजाइन/ओ एंड एम के लिए सक्षम स्थानीय विशेषज्ञ कार्यबल का निर्माण करने हेतु प्रधानमंत्री सूर्य घर बिजली योजना (पीएमएसजीएमबीवाई) नामक एक योजना शुरू की है;

III. राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन (एनजीएचएम) के अंतर्गत कौशल, अप-स्किलिंग और कौशल संवर्धन योजना के माध्यम से हरित हाइड्रोजन क्षेत्र के लिए कुशल जनशक्ति का निर्माण किया जा रहा है; और

IV. मंत्रालय ने ग्रामीण क्षेत्रों की अर्ध-साक्षर महिलाओं के लिए विशेष रूप से सौर लालटेन, लैंप आदि की असेंबली, स्थापना, संचालन और रखरखाव पर छह महीने के प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी समर्थन किया था।

(ङ): भारत सरकार का श्रम और रोजगार मंत्रालय राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल चला रहा है, जो निजी और सरकारी क्षेत्रों की नौकरियों, ऑनलाइन और ऑफलाइन रोजगार मेलों की जानकारी, नौकरी खोज और मिलान, करियर परामर्श, व्यावसायिक मार्गदर्शन, कौशल विकास पाठ्यक्रमों की जानकारी, कौशल/प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि सहित करियर से संबंधित सेवाएं एक डिजिटल प्लेटफॉर्म [www.ncs.gov.in] के माध्यम से प्रदान करने के लिए वन-स्टॉप समाधान है। इसकी व्यापक विशेषताएं (जैसे मॉडल करियर केंद्र, बहुभाषी इंटरफेस, समर्पित हेल्पलाइन, विभिन्न पोर्टलों/प्रशिक्षण भागीदारों के साथ एकीकरण आदि) और व्यापक पहुंच एनसीएस को पूरे भारत में नौकरी चाहने वालों और नियोक्ताओं को जोड़ने वाला एक प्रभावी मंच बनाती है।

*****

अनुबंध-I

लोक सभा के दिनांक 28.07.2025 के अतारांकित प्रश्न संख्या 1253 के भाग (क) से (ख) के **उत्तर में उल्लिखित अनुबंध**

पीएमआरपीवाई के अंतर्गत राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा

राज्य	**लाभान्वित लाभार्थी**
आंध्र प्रदेश	254,891
असम	11,347
बिहार	127,977
चंडीगढ़	194,979
छतीसगढ	132,291
दिल्ली	767,733
गोवा	26,025
गुजरात	1,067,569
हरियाणा	991,910
हिमाचल प्रदेश	130,498
झारखंड	70,121
कर्नाटक	1,183,481
केरल	207,296
मध्य प्रदेश	347,154
महाराष्ट्र	2,169,009
ओडिशा	142,341
पुड्डुचेरी	20,289
पंजाब	197,551
राजस्थान	462,575
तमिलनाडु	1,442,828
तेलंगाना	706,352
उत्तर प्रदेश	850,820
उत्तराखंड	297,661
पश्चिम बंगाल	367,262
योग	**1,21,69,960**

स्रोत: ईपीएफओ, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय

अनुबंध- II

लोक सभा के दिनांक 28.07.2025 के अतारांकित प्रश्न संख्या 1253 के भाग (क) से (ख) के **उत्तर में उल्लिखित अनुबंध**

पीएमआरपीवाई के अंतर्गत उद्योगवार/क्षेत्रकवार लाभार्थियों की संख्या

क्र.सं.	उद्योग	लाभान्वित कर्मचारी
1	एरेटिड वाटर	3674
2	अगरबत्ती	2399
3	कृषि फार्म	6855
4	वास्तुकार	1372
5	एस्बेस्टस	510
6	एस्बेस्टस सीमेंट शीट	1414
7	एस्बेस्टस खदानें	34
8	वकील	76
9	ऑटोमोबाइल सर्विसिंग	85041
10	बॉल क्ले खदानें	82
11	राष्ट्रीयकृत बैंकों के अलावा अन्य बैंक	62545
12	बेराइट खदानें	6
13	बॉक्साइट खदानें	163
14	बीड़ी निर्माण	149988
15	बीयर निर्माण	724
16	बिस्कुट निर्माण	17092
17	बोन क्रशिंग	291
18	वनस्पति उद्यान	175
19	ब्रेड	6472
20	ईंटें	9063
21	ब्रश	733
22	भवन एवं निर्माण उद्योग	778487
23	बटन	707
24	कैल्साइट खदानें	57
25	गन्ना फार्म	943
26	कैंटीन	29270
27	इलायची बागान	334
28	काजू	11415
29	पशु चारा उद्योग	4492
30	सीमेंट	13133
31	चार्टर्ड या पंजीकृत लेखाकार	2689
32	चीनी मिट्टी की खदानें	1087

क्र.सं.	उद्योग	लाभान्वित कर्मचारी
33	क्रोमाइट खदानें	4646
34	सिगरेट	612
35	सिनकोना बागान	120
36	पाँच या उससे अधिक कर्मचारियों वाले सिनेमाघर	787
37	प्रीव्यू थिएटर सहित सिनेमाघर	2085
38	कॉफ़ी क्योरिंग	484
39	कॉफ़ी बागान	1012
40	कॉयर	1525
41	कॉलेज	33835
42	जीवन बीमा, वार्षिकी आदि प्रदान करने वाली कंपनियाँ	12915
43	कंपनियाँ/सोसायटियाँ/एसोसिएशन/क्लब/प्रदर्शन मंडलियाँ	16170
44	कन्फेक्शनरी	26532
45	कोरन्डम खदानें	25
46	लागत - कार्य लेखाकार	337
47	कपास ओटना - प्रैसिंग	17694
48	क्रॉकरी	5787
49	दाल पिसाई	1179
50	हीरा कटाई	56366
51	हीरा खदानें	54
52	हीरा आरा मिलें	298
53	आसुतीकरण - स्प्रिट का शुद्धिकरण	2649
54	वितरण-फ़िल्म	267
55	डोलोमाइट खदानें	83
56	खाद्य तेल - वसा	7978
57	इलेक्ट्रिक, मैकेनिकल या जनरल इंजीनियरिंग उत्पाद	626598
58	इलेक्ट्रिक पोर्सिलेन इंसुलेटर	2873
59	बिजली (जी, टी, डी)	14279
60	निजी क्षेत्र की इलेक्ट्रॉनिक मीडिया कंपनियाँ	11396
61	एमराल्ड माइंस	38
62	इंजीनियर - इंजीनियरिंग ठेकेदार	438640
63	निर्माण, विपणन, सेवा, कंप्यूटर के उपयोग में लगे प्रतिष्ठान	169005
64	रेलवे में निर्माण, प्रबंधन, संचालन में लगे प्रतिष्ठान	3207
65	सफाई, स्वच्छता सेवाओं में लगे प्रतिष्ठान	224104
66	कूरियर सेवाएँ प्रदान करने वाले प्रतिष्ठान	17580
67	विमान या एयरलाइन प्रतिष्ठान	217

क्र.सं.	उद्योग	लाभान्वित कर्मचारी
68	विशेषज्ञ सेवाएँ	4840249
69	विस्फोटक	3336
70	फेल्डस्पार खदानें	119
71	फेरो क्रोम	3417
72	फेरो मैंगनीज	1025
73	फिल्म प्रोसैस प्रयोगशालाएँ	684
74	फिल्म निर्माण संबंधी कार्यालय	2258
75	फिल्म स्टूडियो	381
76	वित्तपोषण प्रतिष्ठान	258663
77	फायर वर्क्स	5727
78	फायरक्ले खदानें	138
79	मछली प्रोसैसिंग और मांसाहारी खाद्य प्रीजर्वेशन	19860
80	माइंस फ्लेवराइट	251
81	आटा चक्की	6475
82	अग्रेषण एजेंसी	29127
83	फलों के बाग	903
84	फल-सब्जियाँ प्रीजर्वेशन	16714
85	वस्त्र निर्माण	625988
86	ग्वार गोंद कारखाने	316
87	सामान्य बीमा	5534
88	कांच	14319
89	ग्लू और जिलेटिन कारखाने	125
90	सोने की खदानें	477
91	ग्रेफाइट खदानें	214
92	जिप्सम खदानें	25
93	भारी - उत्तम रसायन	105876
94	अस्पताल	199738
95	होटल	105380
96	बर्फ या आइसक्रीम	3461
97	इंडिगो	1565
98	इंडल - पावर अल्कोहल	416
99	इंडोलियम	1940
100	अंतर्देशीय जल परिवहन	1224
101	लौह और इस्पात	87037
102	लौह अयस्क खदानें	880
103	लौह अयस्क छर्रे	2321
104	जूट	11006
105	जूट की बेलिंग या प्रैसिंग	260

क्र.सं.	उद्योग	लाभान्वित कर्मचारी
106	कत्था निर्माण	445
107	ज्ञान या प्रशिक्षण संस्थान	20202
108	लाख/शैलैक	60
109	लॉन्ड्री - लॉन्ड्री सेवाएँ	2139
110	चमड़ा उत्पाद	96941
111	लिग्नाइट खदानें	173
112	चूना पत्थर खदानें	714
113	लिनोलियम	23
114	आवास गृह, सर्विस अपार्टमेंट, कॉन्डोमिनियम	5146
115	मैग्नेसाइट खदानें	879
116	मैंगनीज खदानें	609
117	संगमरमर खदानें	583
118	माचिस	3246
119	चिकित्सक	20123
120	मेस	4210
121	अभ्रक खदानें	169
122	अभ्रक खदानें - अभ्रक उद्योग	1066
123	दुग्ध उत्पाद	16537
124	खनिज तेल शोधन	465
125	मिश्रित बागान	570
126	नगरपालिका परिषदें/निगम	9882
127	मिरॉबालन - वेज़ टैनिंग	193
128	समाचार पत्र प्रतिष्ठान	3395
129	गैर-खाद्य तेल/वसा	1287
130	अलौह धातु और मिश्र धातु	20435
131	गेरू की खदानें	704
132	अन्य	116925
133	पेंट - वार्निश	21473
134	कागज़	12879
135	कागज़ उत्पाद	26429
136	काली मिर्च के बागान	86
137	पेट्रोलियम/प्राकृतिक गैस उत्पादन	4931
138	पेट्रोलियम प्राकृतिक गैस शोधन	7100
139	पिकर	1018
140	प्लास्टिक उत्पाद	124602
141	प्लाईवुड	15039
142	मुर्गी पालन	21534
143	मुद्रण	23623

क्र.सं.	उद्योग	लाभान्वित कर्मचारी
144	निजी हवाई अड्डे और संयुक्त उद्यम हवाई अड्डे	47
145	लकड़ी का प्रसंस्करण और उपचार	2283
146	क्वार्ट्जाइट खदानें	16
147	क्वार्ट्ज खदानें	4861
148	रेलवे बुकिंग एजेंसियाँ	178
149	अपवर्तक उद्योग	5056
150	अनुसंधान संस्थान	3547
151	रेस्टोरेंट	84030
152	चावल पिसाई	9596
153	सड़क मोटर परिवहन	74133
154	रबर बागान	747
155	रबर उत्पाद	53821
156	नमक	1910
157	सेनेटरी सामग्री	7258
158	आरा मिलें	1896
159	विद्यालय	165552
160	वैज्ञानिक संस्थान	1270
161	सिलिका (रेत) खदानें	772
162	सोप स्टोन खदानें	855
163	सोसायटी/क्लब/संघ	5639
164	सोसायटी क्लब या संघ	35298
165	कपास कचरे की छंटाई/सफाई/धुनाई	1809
166	स्टार्च	1295
167	स्टेशनरी उत्पाद	7790
168	स्टीटाइट खदानें	253
169	तंबाकू के पत्तों को छीलना या फिर से सुखाना	141
170	स्टीवेडोरिंग, जहाज़ों की लोडिंग-अनलोडिंग	1423
171	चिप बनाने वालों के लिए पत्थर की खदानें आदि।	1846
172	छत-फर्श स्लैब आदि के लिए पत्थर की खदानें आदि।	1750
173	पत्थर के जार	472
174	पत्थर के पाइप	1110
175	पेट्रोल/प्राकृतिक गैस का भंडारण, परिवहन या वितरण	7969
176	चीनी	10905
177	चाय	16704
178	चाय बागान	3942
179	तंबू बनाना	190
180	वस्त्र	803310
181	नाटकीय प्रदर्शन वाले थिएटर	1560

क्र.सं.	उद्योग	लाभान्वित कर्मचारी
182	टाइलें	6199
183	तंबाकू उद्योग	2709
184	व्यापार - वाणिज्यिक प्रतिष्ठान	828520
185	यात्रा एजेंसियाँ	25004
186	विश्वविद्यालय	95423
187	विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, विद्यालय आदि।	32826
188	धागा लपेटना, सूत लपेटना	9857
189	लकड़ी संरक्षण संयंत्र	1027
190	लकड़ी सुखाने की भट्टियाँ	652
191	लकड़ी कार्यशाला	10243
192	प्राणी उद्यान	302

स्रोत: ईपीएफओ, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय